रेशम उत्पादन प्रशिक्षण संस्थान

347. **श्री मूलचन्द मीणा : क्या वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में कार्यरत रेशम उत्पादन प्रशिक्षण संस्थानों की राज्यवार संख्या कितनी है ;

(ख) इन संस्थानों में प्रतिवर्ष प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या कितनी है ;

(ग) क्या सरकार निकट भविष्य में ऐसे और अधिक संस्थान प्रारम्भ करने का विचार रखती है , और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) और (ख) इस समय देश में केन्द्रीय रेशम बोर्ड (सी एस बी) के (रेशम उत्पादन प्रशिक्षण विद्यालय सहित) 19 रेशम उत्पादन प्रशिक्षण संस्थान कार्यरत है । उनके राज्य-वार ब्यौरे निम्नोक्तानुसार है :—

क्र० सं०	राज्य	संस्थानों/ विद्यालयों की संख्या
1	2	3
1.	असम	1
2.	बिहार	3
3.	गुजरात	1
4.	हिमाचल प्रदेश	1
5.	जम्मू तथा कश्मीर	2
6.	कर्नाटक	4
7.	केरल	1
8.	मध्य प्रदेश	1
9.	महाराष्ट्र	1
10.	उड़ीसा	1
11.	राजस्थान	1
12.	उत्तर प्रदेश	1
13.	पश्चिम बंगाल	1
	कुल :	19

1993–94 के दौरान इन संस्थानों/ विद्यालयों में कुल 3682 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया था ।

(ग) और (घ) जी हां । सी एस बी के आठवीं योजना के प्रस्तावों में अन्य बातों के साथ-साथ दो और संस्थान अर्थात् असम व मेघालय, प्रत्येक में एक-एक, की स्थापना करने का प्रस्ताव है ।

Assistance to weavers through Central Schemes

348. SHRI YERRA NARAYANA-SWAMIY: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the number of weavers who have received assistance through Central Schemes in Andhra Pradesh during 1993-94 and 1994.95 (upto 15:1:95);

(b) what kind of assistance has been given to weavers in Andhra Pradesh in terms of different prog. rammes?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) and (b) Government of India has introduced several schemes for the development of handloom sector. Assistance has been given for cons-truction of Workshad House-cum-Work-sheci fnsuranle, Thrift/Fund, re-im-bureement of cost of medicine cost